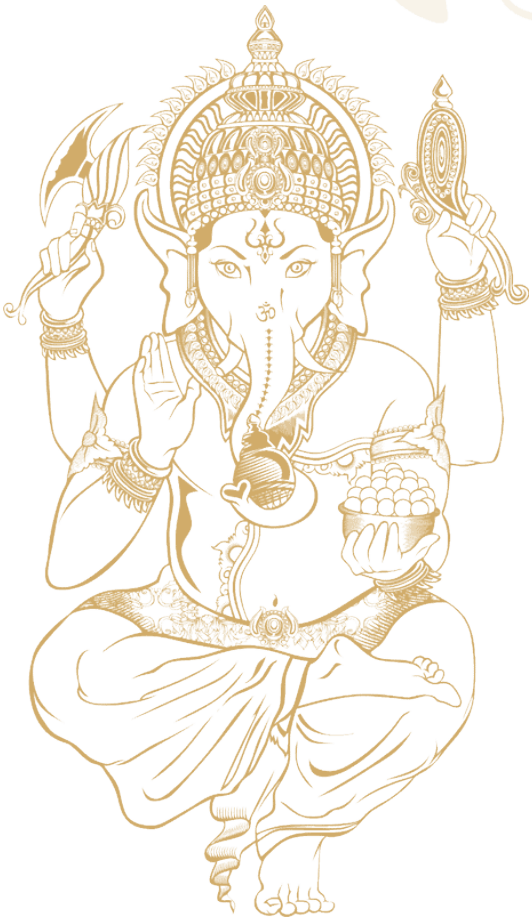

Deepak

06 Oct 1976

05:25 PM

Hathras

Model: Varshphal-2017

Order No: 119560701

तिथि 06/10/1976 **समय** 17:25:00 **वार** बुधवार **स्थान** Hathras **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:32:06
अक्षांश 27:36:00 उत्तर **रेखांश** 78:02:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:17:52 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	18:08:12 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:11:52 घं	योनि	सिंह
सूर्योदय	06:13:10 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	17:58:28 घं	वर्ण	विप्र
चैत्रादि संवत	2033	वश्य	जलचर
शक संवत	1898	वर्ग	सर्प
मास	आश्विन	युँजा	अन्त्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	जल
तिथि	14	जन्म नामाक्षर	दी-दीपांकर
नक्षत्र	पू०भाद्रपद	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-लौह
योग	वृद्धि	होरा	मंगल
करण	गर	चौघड़िया	लाभ

विंशोत्तरी
गुरु 2वर्ष 10मा 4दि
शुक्र
12/08/2022
12/08/2042

शुक्र	11/12/2025
सूर्य	11/12/2026
चन्द्र	11/08/2028
मंगल	11/10/2029
राहु	11/10/2032
गुरु	12/06/2035
शनि	12/08/2038
बुध	11/06/2041
केतु	12/08/2042

योगिनी
भ्रामरी 0वर्ष 8मा 16दि
सिद्धा
23/06/2024
24/06/2031

सिद्धा	02/11/2025
संकटा	24/05/2027
मंगला	03/08/2027
पिंगला	23/12/2027
धान्या	23/07/2028
भ्रामरी	03/05/2029
भद्रिका	23/04/2030
उल्का	24/06/2031

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			09:21:32	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	शुक्र	---	0:00			
सूर्य			19:49:07	कन्या	हस्त	3	चंद्र	केतु	सम राशि	1.22	अमात्य	पितृ	वध
चंद्र			00:57:42	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	मंगल	सम राशि	1.42	कलत्र	मातृ	जन्म
मंगल		अ	04:52:32	तुला	चित्रा	4	मंगल	शुक्र	सम राशि	1.35	पुत्र	भ्रातृ	मित्र
बुध			01:58:19	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	गुरु	उच्च राशि	1.16	ज्ञाति	ज्ञाति	साधक
गुरु	व		07:12:14	वृष	कृतिका	4	सूर्य	केतु	शत्रु राशि	1.23	मातृ	धन	साधक
शुक्र			19:05:49	तुला	स्वाति	4	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण	1.11	भ्रातृ	कलत्र	अतिमित्र
शनि			20:56:09	कर्क	आश्लेषा	2	बुध	शुक्र	शत्रु राशि	1.23	आत्मा	आयु	विपत
राहु	व		10:03:31	तुला	स्वाति	2	राहु	गुरु	मित्र राशि		---	ज्ञान	अतिमित्र
केतु	व		10:03:31	मेष	अश्विनी	4	केतु	शनि	मित्र राशि		---	मोक्ष	क्षेम

लग्न-चलित

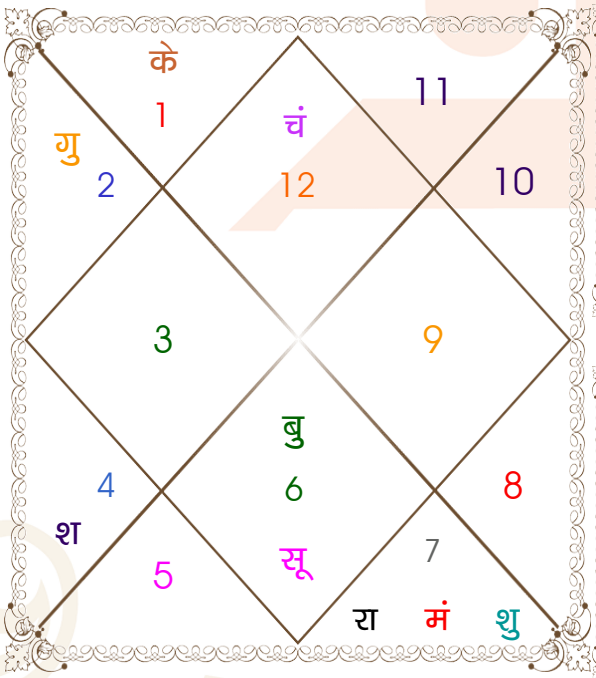

चन्द्र कुंडली

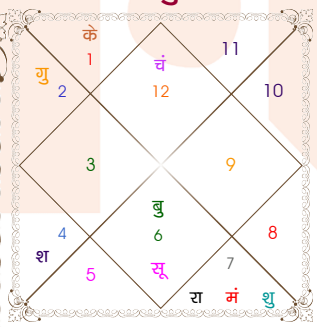

नवमांश कुंडली

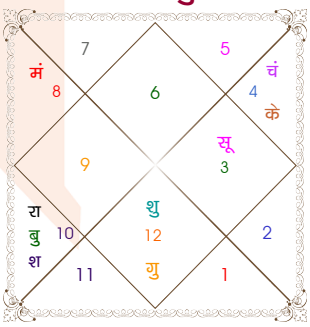

सर्वाष्टकवर्ग

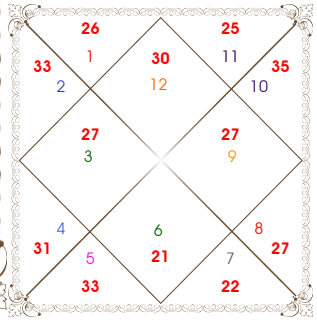

दशमांश कुंडली

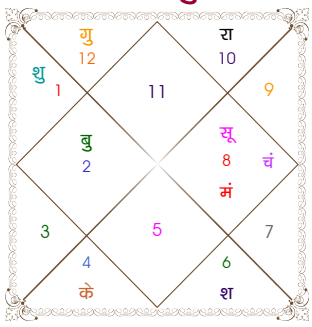

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा अस्वस्थता की भी आप अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति भी आपकी इस समय सामान्य रहेगी तथा समय समय पर मन में उद्विग्नता तथा अशान्ति रहेगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा परिवार में तनाव तथा मतभेद का वातावरण रहेगा। इस समय मित्र वर्ग एवं संबंधियों से भी आपको अल्प मात्रा में ही सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही यदा कदा संबंधों में कटुता उत्पन्न होगी परन्तु उसका प्रभाव अल्प रहेगा। संतति पक्ष के लिए वर्ष मध्यम ही रहेगा तथा न्यूनाधिक रूप से उनका सुख एवं सहयोग प्राप्त करते रहेंगे। इस समय आपके विगत रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्पों की पूर्ति परिश्रम पूर्वक ही होगी। साथ ही सुखोपभोग भी मध्यम रहेगा परन्तु वाहन संबंधी सुख की प्राप्ति होने की संभावना रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष मध्यम रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम एवं संघर्ष से आप सफलता प्राप्त करेंगे।साथ ही लाभमार्गो में यदा कदा परेशानी उत्पन्न होगी। नौकरी या राजनीति संबंधी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा विरोधी पक्ष इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता भी आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा इनसे सहयोग एवं लाभ भी अल्प ही मिलेगा। इस समय आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः ऐसे समय में धैर्य एवं शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा समय के व्यतीत होने की प्रतीक्षा करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही मानसिक शान्ति तथा सन्तुष्टि भी अल्प ही रहेगी। सामाजिक मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की इस वर्ष में न्यूनता रहेगी परन्तु अवसरानुकूल अन्य जन आपके प्रभाव को अवश्य स्वीकार करेंगे। इस समय आपके मन में उत्साह के भाव की न्यूनता रहेगी फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम पूर्वक भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय सन्तोष प्रद ही रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य से इस क्षेत्र में आपको असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। इस वर्ष में आपके रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्प परिश्रम पूर्वक ही न्यूनाधिक मात्रा में पूर्ण हो सकते है फिर भी इससे आपको सन्तुष्टि नहीं रहेगी।संतति पक्ष से इस समय आपको अल्प सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा परन्तु अपने कार्य क्षेत्र में वे सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम से ही आप व्यापार में लाभ एवं सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति संबधी बाधाएं उत्पन्न होंगी परन्तु अन्त में आपको सफलता मिल सकती है लेकिन इससे आपको विशेष प्रसन्नता नहीं होगी। मित्र वर्ग एवं संबधियों से भी परस्पर संबध सामान्य रहेंगे तथा मध्यम रूप से ही उनसे सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त वाहन संबधी सुख में भी अल्पता रहेगी। अतः ऐसे समय में धैर्य एवं परिश्रम पूर्वक आपको अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

प्रथम मास

07/10/2025 06:43:55 से 06/11/2025 10:31:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	25:40:23
सूर्य		कन्या	हस्त	19:49:07
चन्द्र		मीन	रेवती	18:20:21
मंगल		तुला	स्वाति	15:47:08
बुध		तुला	चित्रा	06:19:09
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:56:22
शुक्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:18:59
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:05:29
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:00:35
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:00:35
मुंथा		मेष	अश्विनी	09:21:32

मासाधिपति

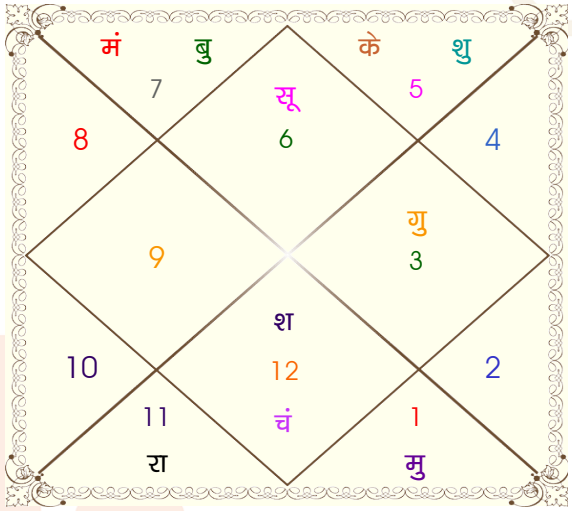

मासाधिपति : गुरु

इस समय आपको शत्रुओं से भय एवं चिन्ता बनी रहेगी साथ ही घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। इस समय आपका अनावश्यक रूप से व्यय होगा एवं धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में न्यूनता आएगी। शारीरिक रूप से भी आप विभिन्न प्रकार से कष्टानुभूति करेंगे परिणामतः आपके बल में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप घर से दूर किसी यात्रा को सम्पन्न कर सकते हैं। सांसारिक कार्यो में भी इस समय आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी के कारण बुखार आदि से भी कष्टानुभूति करेंगे। इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

द्वितीय मास

06/11/2025 10:31:26 से 06/12/2025 03:50:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	11:19:25
सूर्य		तुला	स्वाति	19:49:07
चन्द्र		मेष	कृतिका	29:11:47
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	06:58:35
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	11:47:08
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:53:02
शुक्र		तुला	चित्रा	04:51:41
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:21:40
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:28:51
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:28:51
मुंथा		मेष	अश्विनी	11:51:32

मासाधिपति

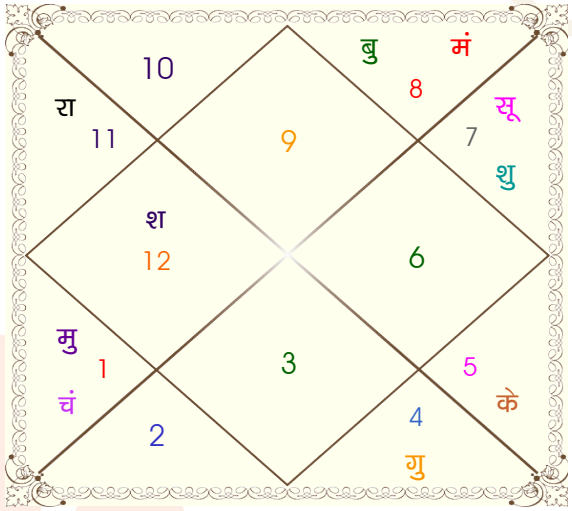

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी केरेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

तृतीय मास
06/12/2025 03:50:27 से 04/01/2026 15:16:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	09:21:20
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:49:07
चन्द्र		मिथुन	मृगशिरा	03:32:05
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:44:30
बुध		तुला	विशाखा	29:22:56
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:58:00
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	12:10:41
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:59:30
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:19:27
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:19:27
मुंथा		मेष	भरणी	14:21:32

मासाधिपति

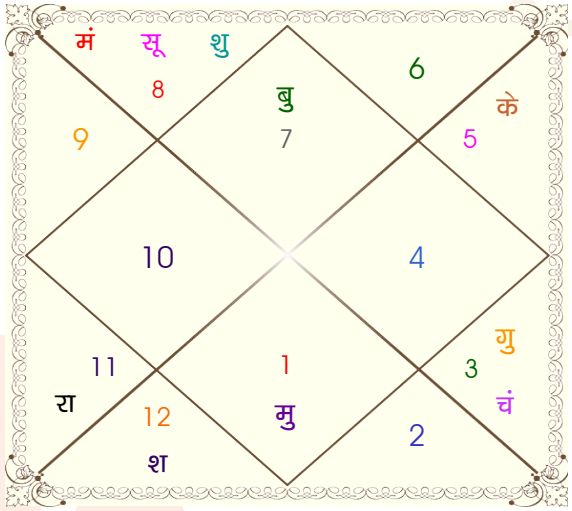

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

चतुर्थ मास

04/01/2026 15:16:58 से 03/02/2026 02:51:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	18:25:03
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:49:07
चन्द्र		कर्क	पुष्य	03:23:30
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:04:53
बुध		धनु	मूल	09:39:44
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:41:10
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:16:20
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:09:10
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:13:47
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:13:47
मुंथा		मेष	भरणी	16:51:32

मासाधिपति

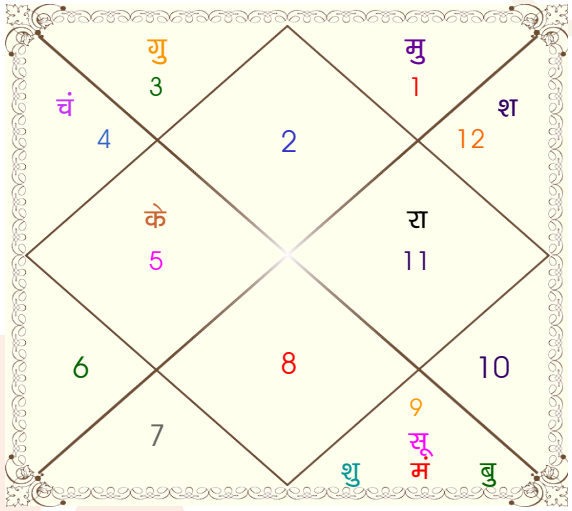

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपका मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी करेंगे फलतः समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम प्रदर्शित करना पड़ेगा फिर भी सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा साथ ही मित्रों एवं सम्बधियों के साथ परस्पर संबन्धों में तनाव रहेगा आपके कार्यक्षेत्र में भी इस समय व्यवधान उत्पन्न होगा एवं शत्रुपक्ष से भी चिन्ता तथा भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी वृद्धि होगी तथा अन्य प्रकार से भी आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करेंगे।

पंचम् मास

03/02/2026 02:51:33 से 04/03/2026 20:33:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	16:37:19
सूर्य		मकर	श्रवण	19:49:07
चन्द्र		सिंह	मघा	02:20:35
मंगल		मकर	श्रवण	13:59:03
बुध		मकर	धनिष्ठा	28:35:46
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:55:48
शुक्र		मकर	धनिष्ठा	26:19:31
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:36:18
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:49:03
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:49:03
मुंथा		मेष	भरणी	19:21:32

मासाधिपति

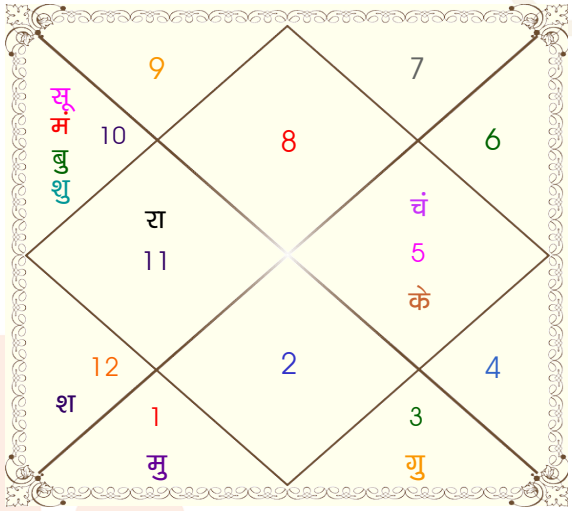

मासाधिपति : मंगल

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे अतः मन में भी अशान्ति रहेगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः चोरों से सावधान रहें। साथ ही अपने उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे तथा धन का व्यय भी अनावश्यक तथा अधिक होगा।साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा।संबधियों एवं मित्रों से आपके संबधों में तनाव रहेगा एवं समाज से भी आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी ।

साथ ही इस समय आप वातोत्पन्न रोगों से भी पीड़ित रहेंगे। अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त करेंगे अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

षष्ठ मास

04/03/2026 20:33:01 से 04/04/2026 00:52:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	20:07:33
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	19:49:07
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:41:02
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	07:22:38
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:20:38
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:55:56
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	03:30:31
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:56:05
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:45:13
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:13
मुंथा		मेष	भरणी	21:51:32

मासाधिपति

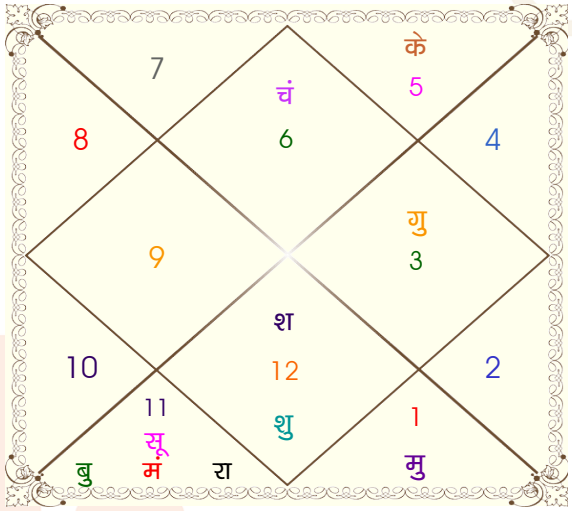

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

सप्तम् मास
04/04/2026 00:52:09 से 04/05/2026 17:39:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	12:52:24
सूर्य		मीन	रेवती	19:49:07
चन्द्र		तुला	स्वाति	09:27:44
मंगल		मीन	पू०भाद्रपद	01:05:13
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:02:52
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:44:58
शुक्र		मेष	अश्विनी	10:52:11
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	11:40:15
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:19:14
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:19:14
मुंथा		मेष	भरणी	24:21:32

मासाधिपति

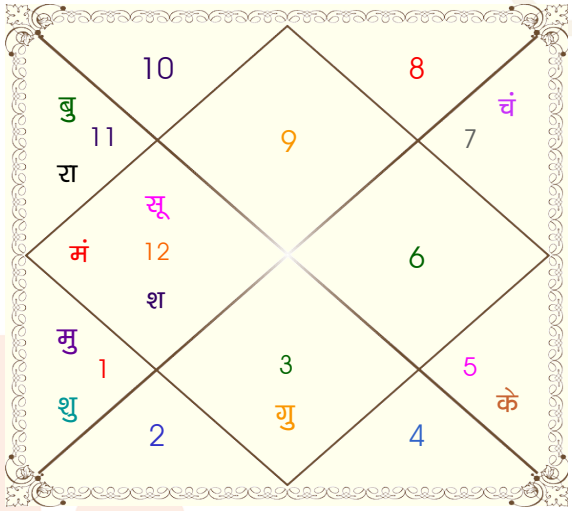

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रदाता रहेगा तथा अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी लाभ अर्जित करेंगे। आपके सामाजिक प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करके आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस मास में आपके महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना भी उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित सहयोग तथा सम्मान भी अर्जित करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी आप मुक्त होंगे।

परन्तु शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी एवं आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आप अग्नि द्वारा भी किसी प्रकार की धन हानि को प्राप्त करेंगे। अतः सोच समझकर अपने सभी कार्यों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास

04/05/2026 17:39:13 से 04/06/2026 21:24:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	04:40:07
सूर्य		मेष	भरणी	19:49:07
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:28:40
मंगल		मीन	रेवती	24:49:46
बुध		मेष	अश्विनी	08:28:08
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:11:20
शुक्र		वृष	रोहिणी	18:18:07
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:18:40
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	12:06:05
केतु	व	सिंह	मघा	12:06:05
मुंथा		मेष	कृतिका	26:51:32

मासाधिपति

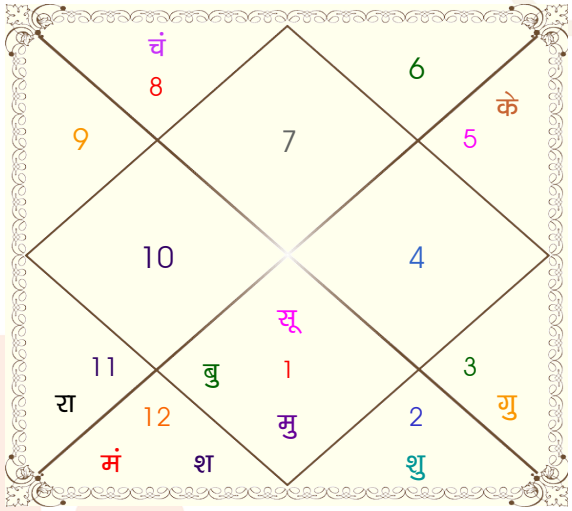

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा।मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

नवम् मास

04/06/2026 21:24:03 से 06/07/2026 07:29:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:34:28
सूर्य		वृष	रोहिणी	19:49:07
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:50:44
मंगल		मेष	भरणी	18:14:25
बुध		मिथुन	आर्द्रा	10:54:09
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:32:19
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	25:29:04
शनि		मीन	रेवती	18:19:04
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:46:54
केतु	व	सिंह	मघा	08:46:54
मुंथा		मेष	कृतिका	29:21:32

मासाधिपति

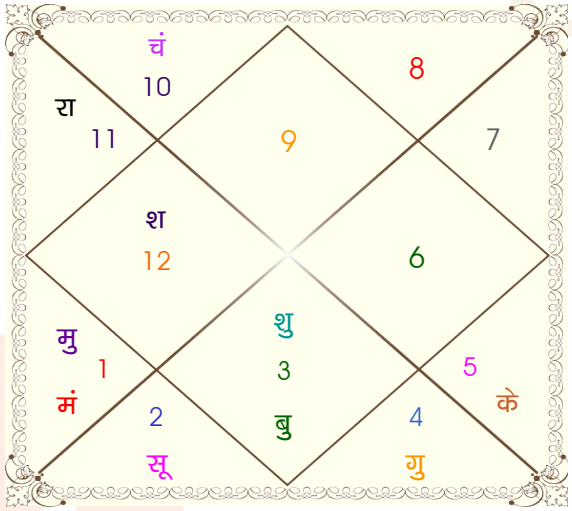

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सफल होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्यार्जन करने में समर्थ होंगे तथा पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा इसमें आप सफल भी होंगे। आपके प्रभुत्व में इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी योग्यता को स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे तथा कहीं से शुभ समाचार भी मिलेगा जिससे आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस समय समाज से आपको पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय आप रक्त विकार से भी पीड़ित हो सकते है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यकलापों को करने में सतर्कता का अनुपालन करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

दशम् मास
06/07/2026 07:29:12 से 06/08/2026 17:24:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	14:59:33
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	19:49:07
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:40:22
मंगल		वृष	रोहिणी	10:55:48
बुध	व	कर्क	पुनर्वसु	00:32:39
गुरु		कर्क	पुष्य	07:01:37
शुक्र		सिंह	मघा	01:41:55
शनि		मीन	रेवती	20:09:19
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	06:29:16
केतु		सिंह	मघा	06:29:16
मुंथा		वृष	कृतिका	01:51:32

मासाधिपति

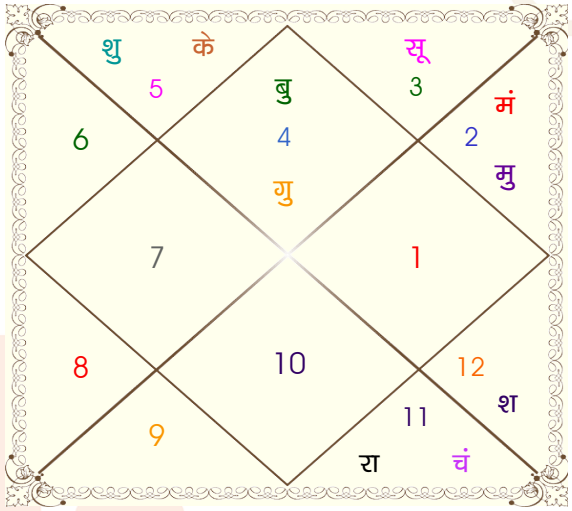

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

एकादश मास

06/08/2026 17:24:24 से 06/09/2026 20:42:50 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:36:04
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	19:49:07
चन्द्र		मेष	भरणी	25:00:45
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	02:31:59
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:08:44
गुरु		कर्क	पुष्य	13:56:45
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	05:27:41
शनि	व	मीन	रेवती	20:25:19
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:40:24
केतु	व	सिंह	मघा	05:40:24
मुंथा		वृष	कृतिका	04:21:32

मासाधिपति

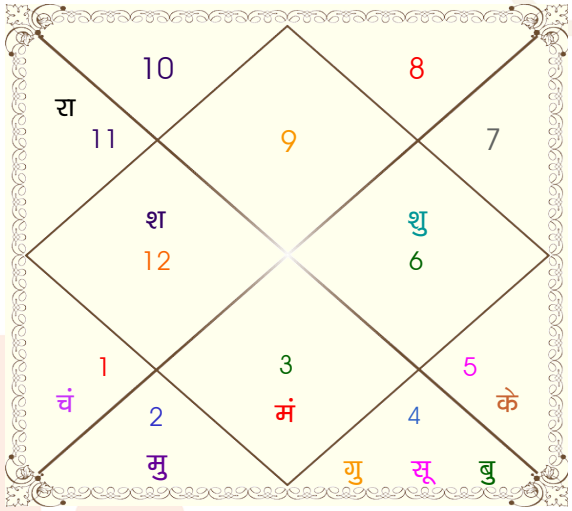

मासाधिपति : चन्द्र

यह महीना आप के लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक रूप से आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। शत्रुपक्ष भी आपका इस मास में बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे।साथ ही घर में भी किसी प्रकार की चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का तत्परता से पालन करें तथा उनकी किसी भी प्रकार से उपेक्षा न करें अन्यथा आप उनसे दण्ड प्राप्त कर सकते है। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अथक परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को करेंगे जिससे आपको पछताना पड़ेगा तथा सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपका मन मुटाव रहेगा। आपकी इच्छाएं इस समय में पूर्ण नहीं होंगी अतः मानसिक रूप से भी आप कष्ट प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप पत्नी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता होने के कारण बुद्धिचातुर्य से अपने कार्यो को सिद्ध करने में सफल रहेंगे। साथ ही धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा समाज में प्रतिष्ठा भी प्राप्त कर सकेंगे।

द्वादश मास

06/09/2026 20:42:50 से 07/10/2026 12:55:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	05:57:49
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:49:07
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	20:29:57
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	22:42:42
बुध		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:45:48
गुरु		कर्क	आश्लेषा	20:38:23
शुक्र		तुला	चित्रा	03:13:09
शनि	व	मीन	रेवती	19:06:45
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:00
केतु		सिंह	मघा	05:33:00
मुंथा		वृष	कृतिका	06:51:32

मासाधिपति

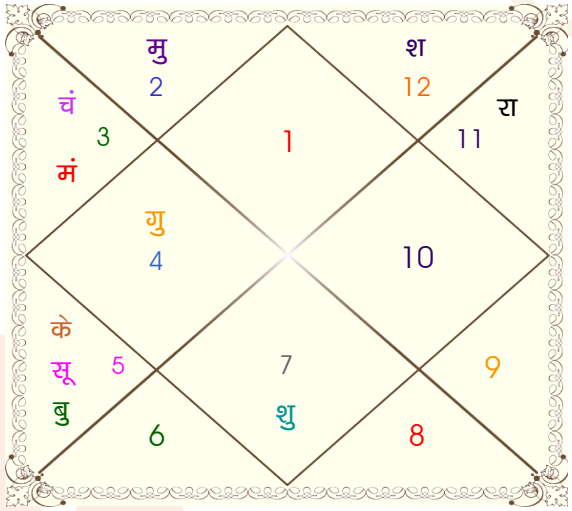

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे तथापि अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित सम्मान प्राप्त होगा तथा उनमें आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनका आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा फलतः आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध हो जाएंगे। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपके मन में तीव्र इच्छा उत्पन्न होगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु आपसे इस समय निर्बल रहेंगे तथा उन्हें पराजित तथा भयभीत करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अतिरिक्त साधनों से धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभफल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित रोग से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस समय पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को संपन्न करना चाहिए।